।। श्री महावीराय नमः ।।

महावीर जयन्ती महोत्सव-2014

मान्यवर,

भगवान महावीर जयन्ती महोत्सव-2014
के कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित

विचार गोष्ठी

में आपकी सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

अतिथि वक्ता

डॉ. सोहनराजजी तातेड़
जोधपुर
पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान

डॉ. अनेकान्त जैन
श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

दि.8 अप्रैल 2014, मंगलवार

सायं 7.30 बजे से...
स्थान-आचार्य विद्यासागर मांगलिक धाम
(चन्द्रलोक टॉकीज के पास) चित्तौड़गढ़

निवेदक

घनश्याम जैन	हंसराज अब्बाणी	विमलकुमार कोठारी
संरक्षक	अध्यक्ष	महासचिव
मो. 9413319199	मो. 9829245771	मो. 9413315050

श्री महावीर जैन मण्डल, चित्तौड़गढ़

परिचय-अतिथि वक्ता

प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़, जोधपुर

प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़ सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (झुंझनू-राज.) के कुलपति एवं जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं (राज.) के मानद सलाहकार रह चुके हैं। बी.इ. (मेकेनिकल) तथा एम.ई. करने के उपरान्त डॉ. तातेड़ ने राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग में 30 वर्ष तक सेवा करके अधीक्षण अभियन्ता पद से स्वेच्छापूर्वक निवृत्ति लेकर डी.एससी. उपाधि ले रखी है। भारत एवं विश्व की करीब 50 शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं में दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश एवं भूटान देशों की विदेश यात्रा कर चुके हैं। जाने माने विद्वान प्रो. तातेड़ की दर्शन, योग एवं शिक्षा विषयक 70 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा 15 पुस्तकें प्रकाशनाधीन है। इसके अतिरिक्त इनके 60 से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लेकर अपने शोध पत्र/व्याख्यान प्रस्तुत किए। आप इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता अवार्ड, समाज भूषण, युवक रत्न, जैन ज्ञान-विज्ञान मनीषी, समाज रत्न आदि कई सम्मानों से अलंकृत किये गये हैं।

डॉ. अनेकान्तकुमार जैन, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में सागर जिले के मूल निवासी डॉ. जैन श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में जैनदर्शन विभाग में स.आचार्य है। आपने जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्मदर्शन में एम.ए. एवं पी.एच.डी. की है। आपके पिताश्री डॉ. फूलचन्द जैन वाराणसी विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के प्रोफेसर रह चुके हैं। डॉ. जैन ने कई ग्रन्थों का संपादन किया है और 12 आपके मौलिक ग्रन्थ है तथा आपके 45 शोधपत्र राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आपने ताईवान में विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जैन धर्म का प्रतिनिधित्व किया। आपने देश-विदेश की लगभग पचास राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किये हैं। विशिष्ट योगदान के लिए आपको कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है जैसे कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ पुरस्कार, अर्हत्वचन पुरस्कार, जैनविद्या भास्कर अलंकरण आदि।